1.00 P.M.

SHRIMATI KANIMOZHI: .. and the Sri Lankan Government has done nothing about it, and all the assistance, rehabilitation assistance, given by India has also not been ...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You had to just associate. That's over.

SHRIMATI KANIMOZHI: With all this, I urge upon the Government not to participate in this. Participating in this will look like endorsing Sri Lanka's stand on this.

SHRI D. BANDYOPADHYAY (West Bengal): Sir, I would like to associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. K.P. RAMALINGAM (Tamil Nadu) : Sir, I would like to associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRIMATI VASANTHI STANLEY (Tamil Nadu): Sir, I would like to associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI S. THANGAVELU (Tamil Nadu): Sir, I would like to associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI MOHAMMAD SHAFI (Jammu and Kashmir): Sir, I would like to associate myself with the submission made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The names of all those Members who are associating will be added. Now, Mr. K.C. Tyagi.

Non-mentioning of name of Sardar Bhagat Singh in the files of Home Ministry

श्री के. सी. त्यागी (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदय, पिछले सत्र में 22 मार्च को मैंने भगत सिंह की शहादत के बारे में सवाल उठाया था। उस समय डीएमके और अन्ना डीएमके के जो हमारे मित्र हैं, वे सदन में फिशरमेन के सवालों को लेकर काफी गर्म थे, इसलिए उस विषय पर पूरी बहस नहीं हो पाई। उस समय यहां पर प्रधान मंत्री जी भी बैठे हुए थे और मैं चाहता था कि 23 मार्च को शहीदी दिवस के...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your subject is not fishermen. Your subject is about Sardar Bhagat Singh... *(Interruptions)*...

श्री के. सी. त्यागी : सर, मैं उसी विषय पर बोल रहा हूं।

श्री उपसभापति : ठीक है, बोलिए।

श्री के. सी. त्यागी : सर, आज डीएमके और अन्ना डीएमके के साथी हमारे साथ हैं इसलिए कृपया आप हमें डिस्टर्ब न करें। सर, उस दिन प्रधान मंत्री जी यहां पर उपस्थित थे और क्योंकि 23 तारीख को सदन की बैठक नहीं होनी थी, लिहाजा मैं चाहता था कि एक मिनट का मौन शहीदों की स्मृति में रखा जाए, लेकिन किन्हीं वजहों से यह कार्यवाही नहीं हो पाई, इसके लिए मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता। सर, अभी देश में 67वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया है। कांग्रेस के जो हमारे पुराने मित्र हैं, वे जानते होंगे कि आज़ादी की लड़ाई के सबसे बड़े योद्धा सरदार भगत सिंह की शाहदत के बाद जब लाहौर में कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू गए थे, तभी रावी नदी के तट पर यह प्रस्ताव पास हुआ कि हमें संपूर्ण आजादी चाहिए। अगर भगत सिंह की शहादत न होती तो आजादी की मांग करने का यह दिन शायद इतना करीब न आता। सर, गृह मंत्रालय के जो लेख और अभिलेख हैं, उनमें उन्हें शहीदों का दर्जा देने का काम नहीं हुआ है। हालांकि प्रधान मंत्री ने उसके संबंध में सफाई दी है, लेकिन हम उससे संतुष्ट नहीं हैं। हम चाहते हैं कि जो अभिलेखागार हैं, सरकार के ऐसे दस्तावेज सुरक्षित करने की जितनी भी जगहें हैं, उनमें बाकायदा, ऐसे जितने भी लोग हैं, जिन्होंने अपनी शहादत दी, उनका और खास तौर से इन तीनों का जिक्र आना चाहिए। इसी संदर्भ में मैं अपने स्वर्गीय नेता, जो राज्य सभा के सदस्य भी रहे हैं, उनके बारे में कहना चाहूंगा। मैं आशा करता हूं कि प्रो. राम गोपाल यादव मेरे वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करेंगे। सर, स्वर्गीय श्री राजनारायण जी के बारे में कोई भी दस्तावेज मौजूद नहीं है कि वे भी आजादी के लड़ाई के योद्धा थे। उनके बेटे ने दर्जनों बार केंद्र सरकार के मंत्रियों से अपील की है कि श्री राजनारायण जी को भी शहीद का दर्जा दिया जाए। मेरा आपसे निवेदन है कि इसमें आप हमारी मदद करें कि आज़ादी की लड़ाई के जो सबसे उत्कृष्ट योद्धा थे, उनका उल्लेख अभिलेखों में हो। महोदय, अगर कोई देश, कोई समाज, कोई कौम और कोई व्यक्तियों का समूह गर्व और उत्साह के साथ अपने पुरखों को याद नहीं करेगा, तो वह उस देश के लिए अच्छी स्थिति नहीं होगी। लिहाजा मैं आपके जरिए सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि उनका नाम शहीदों की सूची में सम्मान के साथ उल्लिखित हो। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Members may associate themselves with the issue.

SHRI VIVEK GUPTA (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री वैष्णव परिडा (ओडिशा) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कुसुम राय (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री जय प्रकाश नारायण सिंह (झारखंड) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

چودھری منوّر سلیم (اترپردیش) : سر، میں مانئے سدسیے کے وکتوے سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔†

श्री रामविलास पासवान (बिहार) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (आंध्र प्रदेश) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नरेश गुजराल (पंजाब) : सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, I rise to associate myself with the issue raised by Shri Tyagi. I would like to add just one thing here. The Government must take it very seriously and see to it that the name of Shri Bhagat Singh is included in the list of martyrs and is given all the importance and respect that he deserves, because he was a hero among all the freedom fighters in the country and the youth of the country are inspired by him.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Ram Gopalji.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, माननीय त्यागी जी ने जो मुद्दा उठाया है, उससे मैं स्वयं को संबद्ध करता हूं और सरकार से मांग करता हूं कि वह इस पर आवश्यक कार्यवाही करे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think, it is a feeling shared by all the Members of the House.

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार) : सर, प्रधान मंत्री जी ने इस मामले में जो स्पष्टीकरण दिया है, वह स्पष्टीकरण बिल्कुल ठीक नहीं है।...**(व्यवधान)**...प्रधान मंत्री जी को ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी, बल्कि दस्तावेज को दुरुस्त करने की बात करनी चाहिए थी।...(व्यवधान)

†Transliteration in Urdu script

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Government should take... *(Interruptions)*... It is a feeling shared by all the Members of the House. So, I think all the Members associate themselves... *(Interruptions)* ... हम सबकी फीलिंग है।

What would you like to say, Mr. Shukla?

श्री राजीव शुक्ल : सर, माननीय सदस्य श्री के. सी. त्यागी जी ने...**(व्यवधान)**...

श्री अजय संचेती (महाराष्ट्र) : सर, इन दस्तावेजों में केवल भगत सिंह का नाम ही नहीं, बल्कि राजगुरू और सुखदेव का भी नाम आना चाहिए।...**(व्यवधान)**...उनमें इन तीनों का नाम आना चाहिए।...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं। आप कृपया बैठिए।...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल : माननीय सदस्य श्री के.सी. त्यागी जी ने शहीद भगत सिंह जी का जो मुद्दा उठाया, उसके बारे में कल मीडिया में रिपोर्ट छपी थी। इस मामले में हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि सरकार की ऐसी कोई भावना नहीं है। शहीद भगत सिंह के नाम के दो सिक्के 2008 में सरकार ने जारी किए थे, जिन्हें बाकायदा उनके नाम के आगे 'शहीद' लिखकर जारी किया था। इसके अलावा केंद्र सरकार ने नवांशहर को शहीद भगत सिंह नगर घोषित किया और खुद चिदम्बरम साहब जब गृह मंत्री थे, उन्होंने जाकर उसकी घोषणा की थी।...**(व्यवधान)**...

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश) : होम मिनिस्टर साहब से कहिए कि रिकॉर्ड तो सही कर दें...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल : कृपया मुझे सुन लीजिए। जिस समय संस्कृति मंत्री अम्बिका सोनी जी थीं, तब वे सिक्के जारी किए गए थे और उनमें भी "शहीद भगत सिंह" लिखा गया। इसी तरह नवांशहर को शहीद भगत सिंह नगर घोषित किया गया। सरकार पूरी तरह से उन्हें शहीद मानती है और उन्हें "शहीद" का दर्जा देती है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा : रिकॉर्ड के बारे में क्या कहते हैं?...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ... *(Interruptions)*... He has said that. ... *(Interruptions)*... No, no; that is over. ... *(Interruptions)*... You are associating. Your name is... *(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल : किसके बारे में?...**(व्यवधान)**...अगर रिकॉर्ड में नहीं है तो रिकॉर्ड को...**(व्यवधान)**...

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा : सर, इनके बारे में गृह मंत्रालय के रिकार्ड को तो ठीक करवा दीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल : अगर रिकार्ड में नहीं है, तो रिकार्ड को सुधार दिया जाएगा ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a feeling of the entire House. ...*(Interruptions)*... It has been conveyed to the Government. ...*(Interruptions)*...

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): There is no such record with the Government. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Government will take appropriate action. ...*(Interruptions)*... That is enough. Now, we will take up Special Mentions. Those who want to lay them on the table can lay them and those who want to read them can read them before the House is adjourned. Dr. Gyan Prakash Pilania. ...*(Interruptions)*...

SPECIAL MENTIONS*

Demand for taking necessary steps for plastic waste management in the country

DR. GYAN PRAKASH PILANIA (Rajasthan): Recently, the Central Pollution Control Board has reported to the Supreme Court that India generates 56 lakh tonnes of plastic waste annually, with Delhi accounting for a staggering 689.5 tonnes a day. Total plastic waste, which is collected and recycled in the country, is estimated to be 9,205 tonnes per day (approximately 60 per cent of total waste) and 6,137 tonnes remain uncollected and littered. Overall, 40 per cent of plastic waste is not recycled. The daily addition to untreated plastic in Delhi is estimated at 275.6 tonnes, followed by Chennai (171.6 tonnes), Kolkata (170 tonnes) and Mumbai (163.2 tonnes). This* waste is a source of continuing pollution, as plastic is not bio-degradable and poisons the environment for decades. A shocked Supreme Court, on 4.4.2013, commented, "We are sitting on a plastic time bomb." The Court also asked civic authorities of five cities - Delhi, Agra, Jaipur, Faridabad and Bengaluru - to submit reports on the steps taken to contain dumping of plastic and implementing the ban on *gutka*. Responding to the situation, the Bench of Justices G.S.Singhvi and Kurian Joseph felt that non-implementation of law was due to abject 'failure of governance at the grass-root level'.

In view of above worrying scenario, I would urge hon. Minister of Environment and Forests to initiate necessary measures.

---

*Laid on the Table